कॉर्पोरेट आचार संहिता को लागू करने में नैतिक चुनौतियाँ

अरविन्द तेवतिया, कॉमर्स विभाग, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय, शिव नगर, पोखरा, पौरी गढ़वाल, उत्तराखंड, भारत

सारांश

वर्तमान व्यावसायिक परिवेश में कॉर्पोरेट आचार संहिता किसी भी संगठन की पारदर्शिता, जवाबदेही, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका मुख्य उद्देश्य संगठन में नैतिक व्यवहार को प्रोत्साहित करना, भ्रष्टाचार को रोकना तथा कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच विश्वास स्थापित करना है। हालांकि, कॉर्पोरेट आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू करने की प्रक्रिया में अनेक नैतिक चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं। इनमें व्यक्तिगत हितों और संगठनात्मक हितों के बीच टकराव, भ्रष्टाचार, भेदभाव, हितों का टकराव, प्रबंधन का अनैतिक व्यवहार, कर्मचारियों में नैतिक जागरूकता की कमी तथा नियमों के पालन में असमानता प्रमुख हैं। कई बार संगठन केवल औपचारिक रूप से आचार संहिता अपनाते हैं, जबकि व्यवहारिक स्तर पर उसका उचित अनुपालन नहीं हो पाता। इसके अतिरिक्त, वैश्वीकरण, प्रतिस्पर्धा, तकनीकी विकास और व्यावसायिक दबाव भी नैतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को जटिल बनाते हैं। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य कॉर्पोरेट आचार संहिता के कार्यान्वयन में आने वाली प्रमुख नैतिक चुनौतियों का विश्लेषण करना तथा उनके समाधान के लिए प्रभावी उपायों की पहचान करना है। यह अध्ययन इस बात पर बल देता है कि कॉर्पोरेट आचार संहिता की सफलता केवल नियम बनाने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि संगठनात्मक नेतृत्व की प्रतिबद्धता, नैतिक प्रशिक्षण, पारदर्शी कार्यप्रणाली और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर भी निर्भर करती है। अंततः, एक मजबूत नैतिक संस्कृति ही संगठन की दीर्घकालिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और सतत विकास का आधार बन सकती है।

मुख्य शब्द: कॉर्पोरेट आचार संहिता, नैतिक चुनौतियाँ, नैतिक मूल्य कॉर्पोरेट प्रशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, व्यावसायिक नैतिकता, संगठनात्मक संस्कृति, नैतिक नेतृत्व, सतत विकास